



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (i)
PART II—Section 3—Sub-section (i)

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 238]

नई दिल्ली, शुक्रवार, मई 2, 2008/वैशाख 12, 1930

No. 238]

NEW DELHI, FRIDAY, MAY 2, 2008/VAISAKHA 12, 1930

वित्त मंत्रालय

(राजस्व विभाग)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 2 मई, 2008

सं. 22/2008-केन्द्रीय उत्पाद शुल्क (गै.टै.)

सा.का.नि. 330(अ).—केन्द्रीय उत्पाद शुल्क अधिनियम, 1944 (1944 का 1) की धारा 5ख द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्र सरकार एतद्वारा यह आदेश जारी करती है कि जहां निर्धारिती ने अध्याय 39 के अंतर्गत आने वाली मेटलाइज्ड प्लास्टिक फिल्म (एतदपश्चात् अंतिम उत्पाद के रूप में उल्लिखित) पर उत्पाद शुल्क का भुगतान किया है, उक्त अंतिम उत्पाद को तैयार करने में प्रयुक्त निविष्टियों, कारखानागत माल और निविष्टि सेवाओं पर भुगतान किए गए शुल्क अथवा कर अथवा उपकर हेतु लिए गए अथवा उपयोग किए गए सेनवैट क्रेडिट लौटाना अपेक्षित नहीं होगा, हालांकि मै. मेटलेक्स (आई) प्रा. लि. बनाम केन्द्रीय उत्पाद शुल्क आयुक्त, नई दिल्ली के मामले में 12 फरवरी, 2004 को निर्णित 1998 की सी ए सं. 5716 सहित सिविल अपील सं. 3224-3225, 1998 में उच्चतम न्यायालय ने निर्णय दिया था कि शुल्क का भुगतान की हुई फिल्म के मेटलाइजेशन की प्रक्रिया विनिर्माण नहीं है। परन्तु यह निम्नलिखित शर्तों के अधीन होगा, अर्थात् :-

- (क) वापस नहीं किए जाने की अनुमति केवल ऐसे सेनवैट क्रेडिट के लिए होगी जो 12 फरवरी, 2004 तक ली गई हो।
- (ख) उक्त वापसी नहीं करने की अनुमति तभी होगी जब उक्त अंतिम उत्पाद को हटाए जाने पर उत्पाद शुल्क का भुगतान किया गया हो।
- (ग) उक्त निर्धारिती उक्त अंतिम उत्पाद पर उसके द्वारा भुगतान किए गए उत्पाद शुल्क के प्रतिदाय का दावा नहीं करेगा।

बशर्ते कि 12 फरवरी, 2004 तक तैयार और क्लियर किए गए उक्त अंतिम उत्पाद पर उक्त निर्धारिती द्वारा उत्पाद शुल्क का भुगतान कर दिए जाने पर उक्त अंतिम उत्पाद के क्रेता द्वारा सेनवैट क्रेडिट, यदि कोई लिया गया हो, को वापस करना अपेक्षित नहीं होगा।

[फा. सं. 93/01/2007-सी एक्स-3]

दिलीप गोयल, अवर सचिव

MINISTRY OF FINANCE**(Department of Revenue)****NOTIFICATION**

New Delhi, the 2nd May, 2008

No. 22/2008-Central Excise (N.T.)

G.S.R. 330(E).—In exercise of the powers conferred by Section 5B of the Central Excise Act, 1944 (1 of 1944), the Central Government hereby orders that where an assessee has paid duty of excise on metallised plastic film, falling under Chapter 39 (hereinafter referred to as final product), the CENVAT credit taken or utilized, of the duty or tax or cess paid on inputs, capital goods and input services used in the making of the said final product, shall not be required to be reversed, irrespective of the fact that the process of metallization of duty-paid film was held as not amounting to manufacture by the Supreme Court in Civil Appeal Nos. 3224-3225 of 1998 with C.A. No. 5716 of 1998, decided on the 12th February, 2004 in the case of M/s. Metlex (I) Pvt. Ltd. Vs. Commissioner of C.Ex. New Delhi, subject to following conditions, namely :—

- (a) the said non-reversal shall be allowed only for the CENVAT credit taken upto the 12th February, 2004.
- (b) the said non-reversal shall be allowed only when excise duty has been paid on removal of the said final product.
- (c) the said assessee shall not prefer a claim of refund of the excise duty paid by him on the said final product :

Provided that the CENVAT credit, if any, taken by the buyer of the said final product, of the excise duty paid by the said assessee on the said final product made and cleared upto the 12th February, 2004 shall not be required to be reversed.

[F. No. 93/01/2007-CX. 3]

DILIP GOYAL, Under Secy.